

# क्या आप बड़े हो रहे हैं?

बचपन से नौजवान होने तक का दौर एक रोलर कोस्टर पर सवारी करने जैसा लग सकता है। लेकिन इस उम्र में हमेशा मज़ा ही नहीं आता। ऐसे में आप क्या कर सकते हैं? नीचे पढ़िए कि कुछ बच्चे इस बारे में क्या कहते हैं और साथ में दिए सवालों के जवाब दीजिए।

1

जब आप बचपन को पीछे छोड़कर बड़े हो रहे होते हैं, तब क्या

मज़ा आता है, डर लगता है, या दोनों?

शुरु-शुरु में आपको कौन-सी बात सबसे ज़्यादा मुश्किल लगी?

“नौजवान होना लड़कियों के लिए मज़ेदार नहीं होता। इस दौरान . . . उलझन-सी होती है। सबकुछ बहुत बेकार-सा लगता है।”—ओक्साना।

2

इस दौरान क्या आपका भी मूड अचानक बदल जाता था? आपको कैसा लगता था?

आप ऐसा क्या कर सकते हैं, जिससे आपका मूड ठीक रहे?

“मैं एक पल खुश होता, तो दूसरे पल उदास। मुझे नहीं पता कि दूसरे लड़कों के साथ ऐसा होता है या नहीं, लेकिन मेरे साथ हुआ।”—ब्रायन।

3

जब आप बड़े होने लगे, तो आप कैसे दिखने लगे?

आप जैसे दिखते हैं, उस बारे में आपको कैसा सोचना चाहिए?

“जब मैं बड़ी होने लगी, तो मैं जानबूझकर झुककर चलने लगी और ढीले-ढाले टॉप पहनने लगी। मैं जानती थी कि मेरे शरीर में क्यों बदलाव हो रहे हैं, फिर भी मुझे ये सब अच्छा नहीं लगता था और शर्म भी आती थी। सब बड़ा अजीब लगता था।”—जेनस।

4

जब आप बड़े होने लगे, तब आप विपरीत लिंग के व्यक्ति को किस नज़र से देखने लगे?

“पहले मैं सोचा करती थी कि सारे लड़के चिढ़ दिलाते हैं, लेकिन अब ऐसा नहीं सोचती। अब मुझे कुछ लड़के अच्छे लगने लगे और ऐसा लगने लगा कि किसी से प्यार करने में कोई बुराई नहीं। जिसे देखो वह यही बात करता था कि कौन किसको पसंद करता है।”—अलेक्सिस।

बाइबल में लिखा है, “नाजायज़ यौन-संबंधों से दूर भागो!” (1 कुरिंथियों 6:18) यह आज्ञा मानना क्यों बुद्धिमानी की बात है? आप ऐसा क्या कर सकते हैं ताकि आप हर हाल में इसे मान पाएँ?

5

इस उम्र में होनेवाली परेशानियों के बारे में मम्मी-पापा से (या किसी बड़े से, जिस पर आप भरोसा करते हैं) बात करना शायद आसान न हो, फिर भी आपको उनसे क्यों बात करनी चाहिए?—नीतिवचन 17:17 पढ़िए।

“मैं किसी को बताता नहीं था कि मुझे कैसा लग रहा है। अब मैं सोचता हूँ कि काश! मैंने अपने मम्मी-पापा से बात की होती। अगर मैंने ऐसा किया होता, तो वह दौरे और अच्छे से गुज़रता।”—जेरामी।

आपको क्या लगता है, आप अपने मन की बात किससे खुलकर कह पाएँगे?

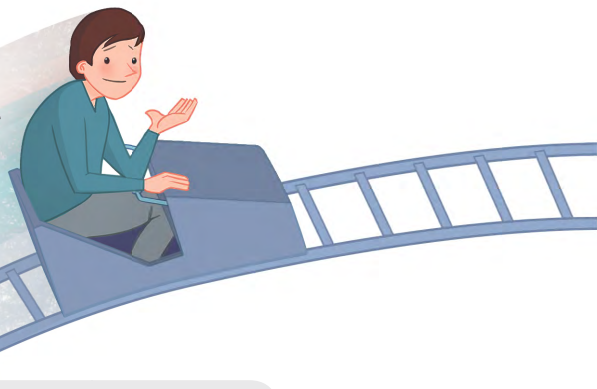
6

आपमें जो भी बदलाव हुए हैं, उन सबमें आपके मम्मी-पापा ने अब तक आपकी कैसे मदद की है?

आपके मम्मी-पापा और किस तरह आपकी मदद कर सकते हैं?

“जब मैं बड़ी होनी लगी, तो मुझे बहुत अजीब-सा लगने लगा। अगर मम्मी-पापा मेरे साथ न होते, तब तो मेरे लिए और भी मुश्किल हो जाता। मम्मी मुझसे कहतीं, ‘परेशान मत हो बेटा। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूँ। तुम जब चाहो, मेरे पास आ सकती हो।’”—करीना।

“जो बच्चे अभी बड़े हो रहे हैं, उनसे मैं कहूँगा कि अभी शायद आपको यह बहुत मुश्किल लगे। लेकिन आपकी पूरी जिंदगी के आगे यह दौर कुछ भी नहीं है। यह दौर पार करने के बाद ही आप बड़े हो पाएँगे।”—डेविड।



7

जो अभी बड़े हो रहे हैं, उनसे आप क्या कहना चाहेंगे?



## अपने मम्मी-पापा से पूछिए

आपको शायद यकीन नहीं होगा, मगर आपके मम्मी-पापा भी इस दौर से गुज़र चुके हैं। उन्होंने जिस तरह मुश्किलों का सामना किया, उस बारे में आप उनसे कौन-से दो सवाल करना चाहेंगे? वे सवाल लिख लीजिए। इस बक्स को काट लीजिए और अपने मम्मी-पापा को दिखाइए।

1

2

